



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY



मं. 129]

नई दिल्ली, मंगलवार, मई 15, 2001/वैशाख 25, 1923

No. 129]

NEW DELHI, TUESDAY, MAY 15, 2001/VAISAKHA 25, 1923

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(पाटनरोधी एवं सम्बद्ध शूलक महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 15 मई, 2001

विषय: सऊदी अरब और रूस से हैक्सामिन के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच - प्रारंभिक

निष्कर्ष

12/1/2000-डीजीएडी.— सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 और सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियम, 1995 को ध्यान में रखते हुए:

क. कार्य पद्धति

जांच के लिए निम्नलिखित कार्य पद्धति अपनाई गई है:-

- (i) निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे इसके बाद प्राधिकारी कहा जाएगा) को उपरोक्त नियमों के अधीन मैं सिमालिन कैमिकल्स इंडस्ट्रीज लिं, बड़ौदा और मैं रॉकहार्ड पैट्रो कैमिकल इंडस्ट्रीज लिं, इंदौर से लिखित याचिका प्राप्त हुई है जिसमें सऊदी अरब और रूस के मूल के अथवा वहां से निर्यातित हैक्सामिन के पाटन का आरोप लगाया गया है।
- (ii) याचिकाकर्ता द्वारा दायर की गई याचिका की आरंभिक जांच से कतिपय त्रुटियों का पता लगा जिन्हें याचिकाकर्ता द्वारा बाद में ठीक कर दिया गया। इसके बाद याचिका को सही ढंग से प्रलेखित दस्तावेज माना गया है।

(iii) याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत किए गए पर्याप्त साक्षों के आधार पर प्राधिकारी ने सजद्दी अरब तथा रूस से निर्यातित हैक्सामिन के आयातों के विरुद्ध जांच आरंभ करने का निर्णय लिया है। प्राधिकारी ने उक्त नियमों के उप नियम 5(5) के अनुसार जांच शुरू करने से पहले पाटन के आरोप प्राप्त होने के बारे में संबद्ध देशों के दूतावासों को सूचित किया।

(iv) प्राधिकारी ने सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 के अध्याय 29 के सीमाशुल्क उपशीर्ष सं. 2921.2901 के अंतर्गत वर्गीकृत सजद्दी अरब तथा रूस के मूल के अथवा वहां से निर्यातित हैक्सामिन के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच शुरू करते हुए दिनांक 20.2.2001 की सार्वजनिक सूचना को भारत के राजपत्र, असाधारण, में प्रकाशित की।

(v) प्राधिकारी ने सार्वजनिक सूचना की एक प्रति सभी ज्ञात निर्यातकों (जिनके बौरे याचिकाकर्ता द्वारा उपलब्ध कराए गए थे) तथा उद्योग संघों को भेजी और उन्हें पत्र की तारीख से 40 दिन के भीतर अपने विचार लिखित रूप में देने का असवर प्रदान किया।

(vi) प्राधिकारी ने भारत में हैक्सामिन के सभी ज्ञात आयातकों (जिनका विवरण याचिकाकर्ता द्वारा उपलब्ध कराया गया था) को सार्वजनिक सूचना की एक प्रति भेजी और उन्हें पत्र की तारीख से 40 दिनों के भीतर अपने विचार लिखित रूप में देने की सलाह दी।

(vii) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सीमाशुल्क बोर्ड (सी बी ई सी) से हैक्सामिन के आयातों का विवरण देने का अनुरोध किया गया था।

(viii) प्राधिकारी ने पूर्वोक्त नियम 6(3) के अनुसार याचिका की अगोपनीय प्रतियां ज्ञात निर्यातकों को उपलब्ध कराई।

(ix) प्राधिकारी ने संबद्ध सूचना प्राप्त करने के लिए नियम 6(4) के अनुसार सऊदी अरब तथा रूस के निम्नलिखित ज्ञात निर्यातकों को प्रश्नावली भेजी:-

सऊदी अरब

- सऊदी फोरमल डी हाईड कॉमिकल कं. लि0,
पो0 ओ0 बॉक्स 2101, एल ओ टी नं. 4 व 6
तारील 198, सैकेंडरी इंडस्ट्रीज पार्क, सऊदी अरब

रूस

- जोल्ट कंपनी लि0,
62 - करिया मरकसा एवेन्यू
कामेनस्क - शाखटिंस्की,
रोस्टोव रीजन, रूस
- ट्रीगन गल्फ जू (द्रेडर)
पो0 ओ0 बॉक्स 01408
जुबेई, अली, दुबई, यू.ए.ई

सऊदी अरब तथा रूस के दूतावासों को नियम 6(2) के अनुसार जांच आरंभ होने की सूचना दे दी गयी थी और उनसे अनुरोध किया गया था कि अपने देश के निर्यातकों/उत्पादकों को निर्धारित समय के भीतर प्रश्नावली भरकर भेजने की सलाह दें। उन्हें निर्यातकों को भेजे गए पत्र, याचिका और प्रश्नावली की प्रति भी ज्ञात निर्यातकों/उत्पादकों की सूची सहित भेजी गई थी।

(x) नियम 6(4) के अनुसार आवश्यक सूचना मंगाने के लिए हैक्सामिन के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों/उपयोक्ताओं को प्रश्नावली भेजी गई थी:-

- नेशनल कैमिकल इंडस्ट्रीज, कोटा, राजस्थान
- मौरी कैमिकल्स, मुम्बई
- राजस्थान कोटिंग्स एंड कैमिकल्स, राजस्थान
- डेमाको पोलिमर्स प्रा० लि०, फरीदाबाद
- इंडो गल्फ इंडस्ट्रीज लि०, नई दिल्ली-66
- आई वी पी लि० (जे), जमशेदपुर
- आई वी पी लि० (टी), टी ए पालघर, जिला - थाणे
- गेटवेल कैम, मुम्बई
- मोटीकैम प्लास्ट मेटैरियल प्रा० लि०, मुम्बई
- रूपानी कैमिकल्स एजेंसीज़, मद्रास
- एक्स 'प्रो इंडिया लि०, मुम्बई
- गुडविल रसायन, मुम्बई
- यूनाइटेड मेटा कैम प्रा० लि०, पो० ओ०, पुणे
- प्राईमा रेसीपोल्स (पुणे) प्रा० लि०, महाराष्ट्र
- सूर्या पोलिमर्स, तलोजा, जिला रायगढ़
- रेजिन्स एंड प्लास्टिक्स लि०, महाराष्ट्र
- प्रगति कैमिकल्स प्रा० लि०, जिला भरुच (गुजरात)
- फोसैको इंडिया लि०, जिला पुणे
- दुजादवाला पेपर कैम, बम्बई
- जेस्पको, सांगली
- नेशनल टैक्नो इंडस्ट्रीज, कोटा, राजस्थान
- दत्तात्रेय कैमिकल्स इंडस्ट्रीज, जिला वालसाड
- डी सी कैमिकल, कलकत्ता
- प्रोमिस इंडस्ट्रीज, जमशेदपुर

- टैक्नो वैक्सकैम प्रा० लि०, कलकत्ता
- बैकलैंड इंडिया, कलकत्ता
- पी. कुमार एंड कं०, कलकत्ता
- ए वी एम सेल्स कारपोरेशन, कलकत्ता
- टी आर कैमिकल्स प्रा० लि०, उड़ीसा
- आर्डनैस फैक्ट्री नागपुर, भान्द्रा
- गोवा कैम प्लास्टिक प्रा० लि०, राजस्थान
- एस आर प्लास्टिक्स, दिल्ली

आयातकों/उपयोक्ता उद्योग द्वारा प्रश्नावली का कोई उत्तर नहीं दिया गया था ।

(xi) प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पार्टियों द्वारा दिए गए साक्षों के अगोपनीय अंशों को अपने पास सार्वजनिक फाइल के रूप में हितबद्ध पार्टियों के लिए खुला रखा ।

(xii) याचिकाकर्ता द्वारा दी गई सूचना पर सामान्यतया स्वीकृत लेखा सिद्धांतों (जी ए ए पी) के आधार पर भारत में विषयगत माल की ईष्टतम उत्पादन लागत तथा माल को बनाने और बेचने की न्यूनतम लागत का हिसाब लगाया गया ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि क्या डम्पिंग मार्जिन से कम पाटनरोधी शुल्क लगाना घरेलू उद्योग की क्षति को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा ।

(xiii) **** चिह्न इस अधिसूचना में हितबद्ध पार्टियों द्वारा गोपनीय आधार पर दी गई सूचना का द्योतक है और नियमों के अंतर्गत प्राधिकारी ने उसे गोपनीय ही माना है ।

(xiv) यह जांच 1 अप्रैल, 1999 से 30 सितम्बर, 2000(18 माह) की अवधि के लिए की गई थी।

ख. याचिकाकर्ताओं के विचार

2. याचिकाकर्ता ने अपनी याचिका और अपने बाद के अनुरोधों में निम्नलिखित मुख्य मुद्दे उठाए हैं :-

(i) हैक्सा मिथिलीन टैट्रामीन को बाजार की बोली में हैक्सामिन के रूप में जाना जाता है। हैक्सा मिथिलीन टैट्रामीन एक मीठे धात्विक स्वाद वाला सफेद रवेदार पाउडर है। शुद्ध रूप में यह रंगहीन और गंधहीन है। इसके क्रिस्टल विषमलंबाक्ष द्वादशफलक में बनते हैं। हैक्सा मिथिलीन टैट्रामीन यौगिक के एमोफोर्म मेथिनामिन, काइस्टेमिन, काइस्टोजन, यूरोट्रोपाइन के रूप में भी जाना जाता है। यह सीमाशुल्क टेरिफ अधिनियम, 1975 के सीमाशुल्क उपशीर्ष 2921.2901 के तहत वर्गीकृत है।

(ii) हैक्सा मिथिलीन टैट्रामीन का विनिर्माण आमतौर पर अमोनिया की एक्युअस फारमैल्डिहाइड के साथ प्रतिक्रिया कराके किया जाता है।

(iii) सऊदी अरब और रूस के उत्पादकों निर्यातकों ने हैक्सामिन का निर्यात भारतीय बाजार में केवल 1999-2000 में ही आरम्भ किया है। याचिकाकर्ताओं की सूचना के अनुसार इस सामग्री का प्रेषण सीधा सऊदी अरब और रूस से हो रहा है।

(iv) याचिकाकर्ताओं सहित भारत में हैक्सामिन के चार उत्पादक हैं। भारत में हैक्सामिन के उत्पादन में दोनों याचिकाकर्ताओं के सामूहिक उत्पादन का एक बड़ा हिस्सा है। इसलिए याचिकाकर्ता नियमों के अर्थों के भीतर घरेलू उद्योग है। दोनों याचिकाकर्ता बहु-उत्पाद कंपनियाँ हैं जो विभिन्न रसायनों जैसे फारमैलडिहाइड और पैरा-फोरमैलडिहाइड का उत्पादन भी करती हैं।

(v) भारतीय उद्योग द्वारा उत्पादित हैक्सामिन और सउद्वी अरब तथा रूस द्वारा निर्यातित हैक्सामिन में कोई ज्ञात महत्वपूर्ण अंतर नहीं है जिसका कीमत पर प्रभाव पड़ता हो । भारतीय उद्योग द्वारा उत्पादित और संबद्ध देशों से आयातित हैक्सामिन भौतिक और रासायनिक विशेषताओं, विनिर्माण प्रक्रिया और प्रौद्योगिकी, कार्य तथा उपयोग, उत्पाद विनिर्देशन, कीमत निर्धारण, वितरण एवं विपणन और वस्तुओं के टैरिफ वर्गीकरण के रूप में तुलनीय हैं । ये दोनों तकनीकी और याणिज्यिक रूप से स्थानापन्न हैं । उपभोक्ताओं ने दोनों का उपयोग एक-दूसरे के स्थान पर किया है । याचिकाकर्ता द्वारा उत्पादित और सउद्वी अरब तथा रूस से निर्यातित हैक्सामिन को नियमों के अनुसार समान वस्तु के रूप में माना जाना धाहिए ।

ग. आयातकों, निर्यातकों तथा अन्य हितबद्ध पार्टियों के विवार

3. आयातकों के विवार

(क) कनोरिया कैमिकल्स एंड इंडस्ट्रीज लिं

ये संबद्ध वस्तु के न तो एक आयातक हैं और न इसके उपभोक्ता रहे हैं । तथापि देश में हैक्सामिन के सबसे बड़े विनिर्माता होने के कारण ये जांच की कार्रवाई से हितबद्ध हैं और फाइल की गई याचिका का पूरी तरह समर्थन करते हैं ।

(ख) न्यूटन इंजीनियरिंग एंड कैमिकल्स लिं (पहले हाइटैक आर्गो कैम लिं)

यह प्रतिवादी हैक्सामिन का एक विनिर्माता है जिनका एकक दुधवाला गांव, बड़ौदा में है । इनकी विनिर्माण क्षमता 5 मी.टन प्रति दिन है । आजकल ये घरेलू बाजार में आपूर्ति कर रहे हैं और अपने साथी विनिर्माताओं द्वारा फाइल की गई याचिका का पूरी तरह समर्थन करते हैं ।

(ग) आर्डनेन्स फैक्टरी भान्दारा, भारत सरकार, रक्षा भंत्रालय

आर्डनेन्स फैक्टरी भान्दारा सऊदी अरब अथवा रूस से बिल्कुल भी हैक्सामिन का आयात नहीं कर रही है लेकिन मैं 0 कनोरिया कैमिकल्स एंड इंडस्ट्रीज लिंग, मुम्बई से @***/- ₹0 - प्रति टन + 16% ई डी + 4% एस टी पर सम्बद्ध वस्तु की खरीद कर रहे हैं।

4. निर्यातकों के विचार

सऊदी अरब और रूस के निर्यातकों ने प्राधिकारी द्वारा भेजी गई प्रश्नावली का उत्तर नहीं दिया है।

कैम कनैकट, 44 मोन्टगोमेरी एस टी, एस टी ई 250, सैन फ्रांसिस्को, सी ए 94104 ने प्राधिकारी को सूचित किया है कि वे किसी भी देश से न तो आयात करते हैं और न ही निर्यातक हैं उन्होंने भारत को किसी रसायन का न तो आयात किया है और न ही भारत से निर्यात किया है। उनके पास हैक्सामिन सहित किसी रसायन का भी स्वामित्व नहीं रहा है।

घ. उठाए गए मुद्दों की जांच

5. याचिकाकर्ताओं तथा आयातकों द्वारा किए गए अनुरोधों, जहाँ तक वे नियमों के तहत संबंधित हैं और जहाँ तक वे इस मामले पर प्रभाव डालते हैं, पर विचार किया गया है और इसके बाद उचित स्थानों पर इन पर चर्चा की गई है।

ड. जांचाधीन उत्पाद

6. हैक्सा मिथिलीन टैट्रामीन को बाजार की बोली में हैक्सामिन के रूप में जाना जाता है। हैक्सा मिथिलीन टैट्रामीन एक मीठे धात्तिक स्वाद वाला सफेद रवेदार पाउडर है। शुद्ध रूप में यह

रंगहीन और गंधहीन है। इसके क्रिस्टल विषमलंबाक्ष द्वादशफलक में बनते हैं। हैक्सा मिथिलीन टेट्रामीन यौगिक के एम्फोफार्म, मेथिनामिन, काइस्टेमिन, काइस्टोजन, यूरोट्रोपाइन के रूप में भी जाना जाता है। यह सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 के सीमाशुल्क उपशीर्ष 2921.2901 के तहत वर्गीकृत है।

हैक्सामिन का सबसे महत्वपूर्ण औद्योगिक उपयोग ठोस फिनोलिक रेजिन्स के विनिर्माण के लिए होता है। अन्य महत्वपूर्ण उपयोग एक उच्च विस्फोटक साइक्लोनी के विनिर्माण के लिए होता है। कार्य में एंटी-बैक्टीरियल होने के कारण हैक्सामिन का उपयोग एक यूरीनरी एंटीसेप्टिक के रूप में होता है। इसका उपयोग इनके लिए भी होता है:-

- एडहैसिव
- कोटिंग्स
- सील करने वाले यौगिक
- खालों के परिरक्षण में
- रबड़ बल्कनीकरण में एक्सलरेटर के रूप में
- इस्पात के लिए एक संक्षारण रोधी के रूप में डाई फिक्सचर
- कैम्पिंग स्टोव के लिए फ्यूल टैबलेट,
- लुब्रीकेटिंग और इन्सुलेटिंग आयल्स हेतु स्टैबलाइजर

८. समान वस्तुएं

यह पता लगाने के लिए कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित हैक्सामिन सऊदी अरब और रूस से निर्यातित हैक्सामिन के समान वस्तु है, इसकी विशेषताओं जैसे तकनीकी विनिर्देशन, विनिर्माण प्रक्रिया, कार्य और उपयोग तथा टैरिफ वर्गीकरण पर प्राधिकारी द्वारा विचार किया गया है।

प्राधिकारी यह भी पाते हैं कि इस बात पर विवाद करने का कोई तर्क नहीं है कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित हैक्सामिन में आयातित सामग्री से मिलती-जुलती विशेषताएं हैं और यह संबद्ध देशों से आयातित हैक्सामिन द्वारा वाणिज्यिक और तकनीकी दोनों प्रकार से प्रतिस्थापनीय है। घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित हैक्सामिन को नियम 2 (घ) के अर्थों के भीतर सऊदी अरब और रूस से निर्यातित उत्पाद के समान वस्तु के रूप में माना गया है।

(घ) घरेलू उद्योग

यह याचिका साउदी अरब और रूस के मूल के या वहां से निर्यातित हैक्सामिन के पाटन का आरोप लगाते हुए दायर की गई है।

याचिकाकर्त्ताओं द्वारा हैक्सामिन का उत्पादन निम्नानुसार रहा है :-

	1997-98	1998-99	1999-2000	2000-01 6 माह	जांच अवधि
याचिकाकर्त्ता					
सिमालिन	1747	2167	2692	1317	4010
राकहार्ट	362	864	1053	137	1190
अन्य उत्पादक					
केनोरिया	लागू नहीं	3141	3821	1858	5679
हाइटैक	लागू नहीं	लागू नहीं	600	286	886
कुल भारतीय उत्पादन	2109	6172	8166	3598	11765

जांच अवधि के दौरान कुल उत्पादन में याचिकाकर्त्ताओं का हिस्सा 44.19% बनता है। इसलिए, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि याचिकाकर्त्ता "घरेलू उद्योग" है और उसके पास नियमों के तहत वर्तमान याचिका दायर करने का अपेक्षित आधार है।

(ज) पाटन

7. प्राधिकारी ने धारा 9 (क) (1) के अनुसार संबद्ध देशों के ज्ञात निर्यातकों को प्रश्नावलियां भेजी। तथापि, निर्यातकों ने मांगी गई सूचना के बारे में कोई प्रत्युत्तर नहीं दिया। अतः सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत के बारे में निर्यातकों द्वारा किया गया कोई दावा नहीं बनता है। इसलिए, प्राधिकारी सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत के बारे में क्रमशः परिकलित कीमत और सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना पर भरोसा करने के लिए बाध्य हुए हैं।

(अ) परिकलित मूल्य और प्राधिकारी के पास उपलब्ध सूचना के आधार पर सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत की जांच

(i) सामान्य मूल्य

8. प्राधिकारी ने यह पाया है कि सउदी अरब और रूस के निर्यातकों ने निर्धारित प्रपत्र में प्रश्नावली का उत्तर नहीं दिया है और उन्होंने सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन के बारे में सूचना प्रस्तुत नहीं की है। अतः प्राधिकारी निर्यातकों को असहयोगी मानते हैं और उन्होंने सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना के आधार पर कार्रवाई की है।

याचिकाकर्त्ताओं ने अनुरोध किया है कि सउदी अरब और रूस में सामान्य मूल्य को हैक्सामिन की परिकलित उत्पादन लागत के आधार पर स्वीकार किया जाए। इन परिस्थितियों में प्राधिकारी परिकलित लागत का निर्धारण करने के लिए विवश हुए हैं।

अतः सउदी अरब और रूस में सामान्य मूल्य जांच अवधि के दौरान 1 अमरीकी डालर = 43.70 रूपए की औसत विनिमय दर से ... अमरीकी डालर/किग्रा, अथवा ... रूपए/किग्रा, माना गया है।

(ii) निर्यात कीमत

9. प्राधिकारी के पास उपलब्ध सूचना के अनुसार सीआईएफ कीमत सउदी अरब के लिए ... रूपए/किग्रा, और रूस के लिए ... रूपए/किग्रा, निर्धारित की गई है। कारखाना-द्वार पर निर्यात कीमत का निर्धारण समुद्री भाड़े के रूप में 0.05 अमरीकी डालर/किग्रा, (याचिकाकर्त्ता की सूचना के आधार पर), समुद्री बीमा प्रभारों के रूप में 0.5% निर्यातक देशों में एजेंट के लिए 3% की दर से कमीशन, रवदेशी परिवहन हेतु 2% और पत्तन हैंडलिंग हेतु 2% तथा भारतीय अनुभव के अनुसार पत्तन प्रभारों को हिसाब में लेने के बाद लिया गया है। तथापि, याचिकाकर्त्ता द्वारा किए गए दावे के अनुसार प्राधिकारी द्वारा भारतीय इंडेंटिंग एजेंट के लिए 3% की दर से कमीशन की अनुमति दस्तावेजी साक्ष्य के अभाव में प्रदान नहीं की गई है। इस संबंध में किए गए समायोजनों के बाद कारखाना-द्वार पर एफओबी निर्यात कीमत 43.70 रूपए = 1 अमरीकी डालर

की औसत विनिमय दर से सउदी अरब के लिए *** रूपए/किग्रा. या *** अमरीकी डालर/किग्रा. तथा रुस के लिए *** रूपए/किग्रा. या *** अमरीकी डालर/किग्रा. निर्धारित की गई है ।

(iii) पाटन मार्जिन

10. सउदी अरब

*** अमरीकी डालर/किग्रा. के परिकलित सामान्य मूल्य और *** अमरीकी डालर/किग्रा. की कारखाना-निर्यात कीमत पर विचार करने के बाद प्राधिकारी द्वारा निर्धारित किया गया पाटन मार्जिन *** अमरीकी डालर/किग्रा. पाटन मार्जिन *** अमरीकी डालर/किग्रा. (जो निर्यात कीमत का 42.2% है) बैठता है ।

रुस

*** अमरीकी डालर/किग्रा. के परिकलित सामान्य मूल्य और *** अमरीकी डालर/किग्रा. की कारखाना-निर्यात कीमत पर विचार करने के बाद प्राधिकारी द्वारा निर्धारित किया गया पाटन मार्जिन *** अमरीकी डालर/किग्रा. (जो निर्यात कीमत का 77.7% है) बैठता है ।

(iv) क्षति

प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटन मार्जिन और संबद्ध देशों से आयातों की मात्रा उपरोक्त नियम 11 में निर्धारित सीमाओं से अधिक है ।

भारत में घरेलू उद्योग पर आयातों के प्रभाव की जांच करने के लिए प्राधिकारी ने उपरोक्त नियमों के अनुबंध-॥ (iv) के अनुसार ऐसे अन्य संकेतकों पर विचार किया है जो घरेलू उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालते हैं जैसेकि उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री मात्रा, स्टॉक, लाभप्रदता, निवल बिक्री प्राप्ति, पाटन की मात्रा और मार्जिन इत्यादि ।

(क) आयातों की मात्रा

देश	1997-98 (डीजीसीआई एस के अनुसार)	1998-99 (डीजीसीआई एस के अनुसार)	1999-2000 (डीजीसीआई एस के अनुसार)	अप्रैल-सितम्बर, 2000 (डीजीसीआई एस के अनुसार)	अप्रैल, 1999 सितम्बर, 2000 (18 माह)
कुल आयात	53,120	211,830	812,106	418,740 (वार्षिक 837,488)	12,30,846
सऊदी अरब	--	--	88,000	78,000 वार्षिक 156,000)	166,000
रूस	--	--	--	20,000	20,000

1998-99 में हैक्सामिन के कुल आयातों में 1997-98 की तुलना में 298% की वृद्धि हुई थी। आयातों में 1998-99 की तुलना में 1999-2000 में 28.3% तक और 1999-2000 की तुलना में अप्रैल-सितम्बर, 2000 में 3.1% तक (वार्षिक) वृद्धि हुई है।

सऊदी अरब से आयातों की मात्रा में 1999-2000 की तुलना में अप्रैल-सितम्बर, 2000 में 77.27% (वार्षिक) तक की वृद्धि हुई है। कुल आयातों में सऊदी अरब का हिस्सा 1999-2000, अप्रैल-सितम्बर, 2000 और जांच अवधि के दौरान क्रमशः 10.8%, 18.6% और 13.4% था।

1997-98, 1998-99 और 1999-2000 के दौरान रूस से संबद्ध वर्तु का कोई आयात नहीं हुआ था। अप्रैल-सितम्बर, 2000 (6 माह) के दौरान रूस से हुआ आयात कुल आयातों के 4.7% था। याचिकाकर्ताओं ने बताया है कि भारत को हैक्सामिन का नियोत् केवल दो देशों-सऊदी अरब और रूस से किया जा रहा है। यद्यपि, सीमाशुल्क वर्गीकरण केवल हैक्सामिन के लिए ही है, तथापि, डीजीसीआई एंड एस द्वारा संकलित आयात सूचना से अन्य देशों से भारी मात्रा में हुए आयातों का पता चलता है। ये आयात ऐसी कीमतों पर किए गए हैं जो उन कीमतों

से कई गुणा अधिक हैं जिन पर हैक्समिन का आयात किया गया है। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि डीजीसीआईएस के आकड़ों के अनुसार अन्य सभी स्त्रोतों (सउदी अरब और रूस को छोड़कर) से संबद्ध वस्तु के आयात काफी उच्च सीआईएफ कीमतों पर हुए थे जो 1999-2000 के दौरान 54.3 रूपए/किग्रा. से लेकर ₹50.9 रूपए/किग्रा. के बीच थे। अप्रैल-सितम्बर, 2000 की अवधि के दौरान इन स्त्रोतों से सीआईएफ कीमतें 55रूपए/किग्रा. से लेकर 620 रूपए/किग्रा. तक थीं। पहुँच मूल्य काफी अधिक होगा। जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की बिक्री प्राप्ति औसतन केवल *** रूपए/किग्रा. की थी। जब उत्पाद इस कीमत पर उपलब्ध होंगे तब कोई भी उपभोक्ता दो गुणा से ज्यादा कीमतझदा नहीं करेगा, उच्च कीमतों पर आयातों की तो बात ही छोड़ दी जाए। इस प्रकार, डीजीसीआईएस के आकड़ों में प्रदर्शित अन्य देशों से आयात हैक्समिन के न हो कर अन्य उत्पादों के हो सकते हैं जिन्हें या तो हैक्समिन के रूप में गलत वर्गीकृत किया गया है या फिर जिनका अपना अनन्य उत्पाद कोड नहीं है। उपलब्ध आकड़ों को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी ने संबद्ध देशों से केवल आयातों की मात्रा पर ही विचार किया है।

(ख) उत्पादन और क्षमता उपयोग

याचिकाकर्ताओं की उत्पादन क्षमता, वार्स्तविक उत्पादन और क्षमता उपयोग निम्नानुसार थे:-

याचिकाकर्ता	1997-98	1998-99	1999-2000	2000-01 (6 माह)	जांच अवधि
स्थापित क्षमता (मी.टन)	3900	3900	4300	2150	6450
उत्पादन (मी.टन)	2109	3031	3745	1454	5199.95
क्षमता उपयोग %	58.58	84.19	104	67.62	80.6

(ग) बिक्रियां और बाजार हिस्सा

	1997-98	1998-99	1999-00	2000-01 (6माह)	जांच अवधि
याचिकाकर्ताओं की बिक्रियां (मी.टन)	2086	3031	3707	1489	5196
(अन्य उत्पादकों का उत्पादन	3000	3141	4421	2144	6565
छांग	5086	6172	8217	3731	11947
पाहित आयातों का हिस्सा%	शून्य	शून्य	1.07	2.6	1.5
याचिकाकर्ता का हिस्सा %	41	49	45	39.9	43.4

(घ) कीमतों में कटौती और कीमतों से कमी

वर्ष	बिक्री प्राप्ति	आयातों की पहुंच कीमत		
		सऊदी अरब	रूस	अन्य
1997-98	***	—	—	165.11
1998-99	***	—	—	92.4
1999-2000	***	34.78	—	115.38
जांच अवधि	***	25.42	19.45	122.05

उपरोक्त सारणी से यह स्पष्ट होता है कि सऊदी अरब और रूस के निर्यातकों ने जांच अवधि में अपनी कीमतों में कॉफी कमी की है। घरेलू उद्योग बाजार में कम आयात कीमतों की वजह से अपनी बिक्री कीमतें कम करने के लिए बाध्य हुआ है। याचिकाकर्ताओं ने बताया है कि भारत को हैक्सामिन का निर्यात केवल दो देशों-सऊदी अरब और रूस से किया जा रहा है। यद्यपि सीमाशुल्क वर्गीकरण अनन्यतया हैक्सामिन के लिए है, तथापि डीजीसीआईएस द्वारा संकलित आयात संबंधी सूचना दूसरे देशों से बड़े पैमाने पर हुए आयातों को प्रदर्शित करती है। ये आयात उस कीमत से कई गुणा ऊँची कीमतों पर हुए हैं जिस पर हैक्सामिन का आयात हुआ है यह नोट किया जाता है कि अप्रैल-जुलाई, 2000 के बीच रूस ने 3,30,730 रूपए की सी आईएफ कीमत

पर 17,000 किग्रा. का निर्यात किया था। अगस्त, 2000 में रूस से 3,31,835 रूपए की सीआईएफ कीमत पर 3000 किग्रा. का निर्यात किया गया था जिसे असामान्य सौदा (110रूपए/किग्रा. के सीआईएफ) होने के कारण रूस से निर्यातित कुल मात्रा के निर्धारण से अलग रखा गया है।

(उ.) लाभप्रदत्ता

घरेलू उद्योग अपनी बिक्री कीमतों को अपनी उत्पादन लागत से कम करने के लिए बाध्य हुआ है, जिसके परिणामस्पर्ध काफी वित्तीय घाटा हुआ है। घरेलू उद्योग की लाभप्रदत्ता में काफी गिरावट आई है जैसाकि उद्योग द्वारा घरेलू बाजारों में की गई बिक्री से हुए प्रति इकाई लाभ/हानि से पता चलता है।

याचिकाकर्ता	1997-98	1998-99	1999-00	जांच अवधि
सिमालिन	***	***	***	***
उत्पादन लागत	***	***	***	***
लाभ/हानि	1.02	(4.5)	(4.28)	(6.19)
राकहार्ड				
उत्पादन लागत	***	***	***	***
बिक्री कीमत	***	***	***	***
लाभ/हानि	(0.36)	(5.93)	5.12	(6.66)

(ट) क्षति के संबंध में निष्कर्ष

12. उपरोक्त को ध्यान में रखते हुए यह पाया गया है कि:-

- (क) संबद्ध देशों से आयातों की मात्रा में समग्र रूप से वृद्धि हुई है;
- (ख) याचिकाकर्ता के बाजार हिस्से में गिरावट आई है, जबकि आयातों के हिस्से में वृद्धि हुई है;

(ग) याचिकाकर्ता अपनी क्षतिरहित कीमत से कम कीमत पर बिक्री करने के लिए बाध्य हुए हैं जिसके परिणामस्वरूप घाटा हुआ है;

(घ) आयातों से घरेलू उद्योग की कीमतों में कटौती हुई है;

(ठ) कारणात्मक संबंध

प्राधिकारी का यह मानना है कि घरेलू उद्योग को हुई वार्तविक क्षति संबद्ध देशों जो कि भारत को हैक्सामिन के मुख्यनिर्यातक हैं, से आयातों के कारण हुई है। प्राधिकारी नात भरते हैं कि संबद्ध देशों की आयात कीमतों से घरेलू उत्पाद की कीमतों में कटौती हुई है जिससे घरेलू उद्योग अपनी क्षतिरहित कीमत से कम कीमत पर बिक्री करने के लिए बाध्य हुआ है, जिसके परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग की स्थिति नहीं सुधर सकी। अतः संबद्ध देशों से पाठित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को वार्तविक क्षति हुई थी।

(ड.) भारतीय उद्योग के हित और अन्य मुद्दे

13 सामान्य तौर पर पाटनरोधी शुल्क लगाने का उद्देश्य ऐसे पाटन को समाप्त करना है जिससे भारतीय उद्योग को नुकसान हो रहा है तथा भारतीय बाजार ^{में} ऐसी खुली और उचित प्रतिस्पर्धा पुनः स्थिति लाना है कि देश के सामान्य हित में है।

14 यह माना जाता है कि पाटनरोधी शुल्क लगाने से सम्बद्ध वर्तुओं के उपयोग से विनिर्मित उत्पादों के कीमत स्तर प्रभावित होंगे और परिणामस्वरूप इन उत्पादों की तुलनात्मक प्रतिस्पर्धात्मकता पर प्रभाव पड़ सकता है। किन्तु, पाटनरोधी उपायों से भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा कम नहीं होगी, विशेषकर तब, जब पाटनरोधी शुल्क की लेवी उस राशि तक ही सीमित कर दी जाए जो कि घरेलू उद्योग को हुए नुकसान को कम करने के लिए आवश्यक है। इसके विपरीत पाटनरोधी उपायों को लागू करने से पाटन द्वारा प्राप्त हुए अनुचित लाभ समाप्त होंगे भारतीय उद्योग का ह्लास रुकेगा और हैक्सामिन के उपभोक्ताओं के लिए व्यापक विकल्प उपलब्ध रखने में मदद मिलेगी। पाटनरोधी उपायों को लागू करने से, द्वे देशों से आयात किसी

भी प्रकार कम नहीं होंगे, इसलिए उपभोक्ताओं के हिंसा उत्पाद की उपलब्धता पर कोई असर नहीं पड़ेगा ।

15. घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति को दूर करने के लिए आवश्यक पाटनरोधी शुल्क की मात्रा को सुनिश्चित करने के निमिन प्राधिकारी घरेलू उद्योग के लिए क्षमता उपयोग के ईष्टतम स्तर पर उत्पादन की अधिकतम लागत पर विचार करके भारत में घरेलू उद्योग के लिए हैक्सामिन की उचित बिक्री कीमत पर विश्वास किया है ।

(३.) पहुंच मूल्य

16. आयातों के पहुंच मूल्य का निर्धारण सीमाशुल्क के प्रधालित स्तर तथा एक प्रतिशत उत्तराई प्रभार को जोड़ने के बाद पाटन से संबंधित उपरोक्त पैश के अनुसार निर्धारित हैक्सामिन की निर्यात कीमत के आधार पर किया गया है ।

(४) निष्कर्ष

17. उपरोक्त पर विचार करने के पश्चात यह देखा गया है कि:

- (क) सऊदी अरब, तथा रूस के मूल के अथवा वहां से निर्यातित पैरा-6 के अन्तर्गत वर्णित हैक्सामिन का भारत को सामान्य मूल्य से कम कीमत पर निर्यात किया गया जिसके परिणामस्वरूप पाटन हुआ है;
- (ख) घरेलू उद्योग को क्षति हुई है;
- (ग) यह क्षति संबद्ध देशों से हुए आयातों के कारण हुई है ;

18. यह निर्णय लिया गया था कि पाटन मार्जिन के बराबर अथवा उससे कम पाटनरोधी शुल्क की राशि की सिफारिश की जाए जिसे यदि लगाया जाएगा तो उससे घरेलू उद्योग को हुई क्षति रामाप्त हो जाएगी । तदनुसार, यह प्रस्ताव किया जाता है कि अंतिम निर्धारण होने तक सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के रीपाशुल्क उपशीर्ष संख्या 2921.2901 के अन्तर्गत आने वाले सऊदी अरब एवं रूस के मूल के अथवा वहां से निर्यातित हैक्सामिन पर केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में

जारी की जाने वाली अधिसूचना की जारीख से अनन्तिम पाटनरोधी शुल्क लगाया जाए । पाटनरोधी शुल्क कालम ३ में उत्तिष्ठित राशि होगी ।

देश	उत्पादक/निर्यातक का नाम	राशि
1.	2.	3. (अमरीकी डालर/किग्रा.)
सऊदी अरब	सभी उत्पादक/निर्यातक	
रूस	सभी उत्पादक/निर्यातक	

19. इस उद्देश्य के लिए आयातों का पहुंच मूल्य सीमाशुल्क अधिनियम, 1975 की धारा 3, 3क, 8ख, 9 तथा 9क के तहत लगाए गए शुल्कों को छोड़कर, सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 के अधीन सीमाशुल्क द्वारा यथा आकलित निर्धारणीय मूल्य होगा और उसमें सभी प्रकार के सीमाशुल्क शामिल होंगे ।

त. आगे की प्रक्रिया

20. प्रारंभिक निष्कर्षों को अधिसूचित करने के पश्चात निम्नलिखित प्रक्रिया का अनुसरण किया जाएगा:-

- (क) प्राधिकारी सभी हितबद्ध पक्षों से इन निष्कर्षों के बारे में टिप्पणियां आमंत्रित करेंगे और उन पर अन्तिम निष्कर्षों में विचार किया जाएगा;
- (ख) प्राधिकारी द्वारा निर्यातकों, आयातकों, याचिकाकर्ता तथा अन्य हितबद्ध पक्षों को अलग से लिखा जा रहा है, जो इस अधिसूचना के प्रेषण की तारीख से 40 दिनों के अन्दर अपने विचार प्रस्तुत कर सकते हैं । कोई अन्य हितबद्ध पक्ष भी इन निष्कर्षों के प्रकाशन की तारीख से 40 दिनों के भीतर अपने विचारों से अवगत करा सकती है ।
- (ग) प्राधिकारी मौखिक अनुरोध के लिए सभी हितबद्ध पक्षों को अवसर प्रदान करेंगे ।
- (घ) प्राधिकारी अन्तिम निष्कर्षों की घोषणा करने से पहले आवश्यक तथ्यों को प्रकट करेंगे ।

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY
(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)
NOTIFICATION
New Delhi, the 15th May, 2001

Subject : Anti-Dumping investigations concerning imports of Hexamine from Saudi Arabia, and Russia . . . Preliminary Findings.

12/1/2000-DGAD.— Having regard to the Customs Tariff Act 1975 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury), Rules 1995, thereof:

A. PROCEDURE:

1. The procedure given below has been followed with regard to the investigations:
 - i) The Designated Authority (hereinafter referred to as Authority), under the above Rules, received a written petition from M/s Simalin Chemicals Industries Ltd., Baroda and M/s Rockhard Petro Chemical Industries Ltd., Indore, alleging dumping of Hexamine originating in or exported from Saudi Arabia and Russia.
 - ii) The preliminary scrutiny of the application revealed certain deficiencies, which were subsequently rectified by the petitioner. The petition was thereafter considered as properly documented.
 - iii) The Authority on the basis of sufficient evidence submitted by the petitioner decided to initiate investigations against alleged dumping of imports of Hexamine originating in or exported from Saudi Arabia and Russia. The Authority notified the Embassies of the subject countries about the receipt of dumping

allegation before proceeding to initiate investigations in accordance with sub-rule 5(5) of the Rules.

- iv) The Authority issued a Public Notice dated 20/2/2001 published in the Gazette of India Extraordinary initiating anti-dumping investigations concerning imports of Hexamine classified under customs sub-heading no. 2921.2901 of Chapter 29 of the Customs Tariff Act, 1975, originating in or exported from Saudi Arabia and Russia.
- v) The Authority forwarded a copy of the Public Notice to the known exporters (whose details were made available by the petitioner) and industry associations and gave them an opportunity to make their views known in writing within forty days from the date of the letter.
- vi) The Authority forwarded a copy of the Public Notice to the known importers (whose details were made available by the petitioner) of Hexamine and advised them to make their views known in writing within forty days from the date of the letter.
- vii) Request was made to the Central Board of Excise and Customs (CBEC) to arrange details of imports of Hexamine.
- viii) The Authority provided copies of the non-confidential Petition to the known exporters in accordance with Rule 6(3) supra.
- ix) The Authority sent a questionnaire, to elicit relevant information to the following known exporters in Saudi Arabia and Russia in accordance with Rule 6(4);

Saudi Arabia

- Saudi Formaldehyde Chemical Co. Ltd.,
P.O.Box 2101, LOT No. 4 & 6,
Tareel 198, Secondary Industries Park,
Saudi Arabia

Russia

- Zolt Company Limited,
62 – Karia Marks Avenue,
Kamensk-Shakhtinsky,
Rostov Region,
Russia
- Trigon Gulf Fzoo (Trader),
P.O.Box 01408,
Jubei, Ali,
Dubai,
U.A.E.

The exporters did not respond to the questionnaire.

The Embassies of Saudi Arabia and Russia were informed about the initiation of the investigation in accordance with Rule 6(2) with a request to advise the exporters/producers from their countries to respond to the questionnaire within the prescribed time. A copy of the letter and questionnaire sent to the exporters was also sent to them, alongwith the name and addresses of the exporters.

x) A questionnaire was sent to the following known importers/users of Hexamine calling for necessary information in accordance with Rule 6(4);

- National Chemical Industries
Kota, Rajasthan
- Mauri Chemicals,
Mumbai
- Rajasthan Coatings & Chemicals,
Rajasthan
- Demaco Polymers P.Ltd.,
Faridabad

- Indogulf Industries Ltd.,
New Delhi —66
- IVP Ltd (J),
Jamshedpur
- IVP Ltd. (T),
TA.Palghar, Distt. Thane
- Getwell Chem,
Mumbai
- Modichem Plast Materials P.Ltd.,
Mumbai
- Rupani Chemical Agencies,
Madras
- X 'Pro India Ltd.,
Mumbai
- Goodwill Rasayan,
Mumbai
- United Meta Chem Pvt. Ltd.,
P.O.Pune
- Prima Recipoles (Pune) P. Ltd.,
Maharashtra
- Surya Polymers,
Taloja, Dist. Raigad
- Resins & Plastics Ltd.,
Maharashtra
- Pragati Chemicals P.Ltd..

Dist. Bharuch (Gujarat)

- Foseco India Ltd.,
Dist Pune
- Dujadwala Paperchem,
Bombay
- Jespco,
Sangli
- National Techno Industries,
Kota, Rajasthan
- Dattatarya Chemical Industries,
Dist. Valsad
- D.C.Chemicals,
Calcutta
- Promis Industries,
Jamshedpur
- Techno Waxchem P. Ltd.,
Calcutta
- Backeland India,
Calcutta
- P.Kumar & Co.,
Calcutta
- A.V.M. Sales Corpn.,
Calcutta
- T.R. Chemicals P.Ltd.,
Orissa

- Ordnance Factory Nagpur,
Bhandra
- Gova Chem Plastic P.Ltd.,
Rajasthan
- S.R.Plastics,
Delhi

No response to the questionnaire was filed by the importers/user industry.

- xi) The Authority made available the non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties.
- xii) Cost investigations were conducted to work out optimum cost of production and cost to make and sell the subject goods in India on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) on the information furnished by the petitioner so as to ascertain if anti-dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to the domestic industry.
- xiii) *** In this notification represents information furnished by an interested party on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules.
- xiv) Investigations were carried out for the period 1st April, 1999 to 30th September, 2000 (18 months).

B. PETITIONERS VIEWS

2. The petitioner has raised the following major issues in their petition and in their subsequent submissions:
 - i) Hexa Methylene Tetramine is known as Hexamine in market parlance. Hexa Methylene Tetramine is a white crystalline powder with a sweet metallic taste. In the pure form, it is colourless and odourless. It crystallizes in rhombic dodecahedrons. Hexa Methylene Tetramine compound is also known as Ammoform, Methenamine, Cystamine, Cystogen, Urotropine. It is classified

under custom sub- heading 2921.2901 of the Customs Tariff Act, 1975.

- ii) Hexamethylenetetramine is usually manufactured by the reaction of ammonia with aqueous formaldehyde.
- iii) The producers-exporters in Saudi Arabia and Russia have started exporting Hexamine to the Indian market in 1999-2000 only. According to the petitioners information, the material is being shipped directly from Saudi Arabia and Russia.
- iv) There are four producers of Hexamine in India including the petitioners. The collective output of the two petitioners represent a major proportion of the production of Hexamine in India. The petitioners therefore constitute domestic industry within the meaning of the rules. Both petitioners are multi product companies involved in production of various chemicals such as formaldehyde and paraformaldehyde.
- v) There is no known significant difference in Hexamine produced by the Indian industry and Hexamine exported from Saudi Arabia and Russia which can have an impact on price. Hexamine produced by the Indian industry and imported from the subject countries is comparable in terms of physical and chemical characteristics, manufacturing process and technology, functions and uses, product specifications, pricing, distribution and marketing and tariff classification of the goods. The two are technically and commercially substitutable. Consumers have used the two interchangeably. Hexamine produced by the petitioners and imported from Saudi Arabia and Russia should be treated as like articles in accordance with the Rules.

C. VIEWS OF IMPORTERS, EXPORTERS AND OTHER INTERESTED PARTIES

3. Importers views

(a) Kanoria Chemicals & Industries Ltd.

They are neither an importer nor a consumer of the subject goods. However being the largest manufacturers of Hexamine in the country

they are interested in the investigation proceedings and fully support the petition filed.

(b) Newton Engineering & Chemicals Ltd. (formerly: Hitech Orgochem Ltd.)

This respondent is a manufacturer of Hexamine having manufacturing unit at Dudhwada village, Baroda. Their manufacturing capacity is 5MT per day. Currently they are catering to the domestic market and fully support the petition filed by their fellow manufacturers.

(c) Ordnance Factory Bhandara, Government of India, Ministry of Defence.

Ordnance Factory Bhandara is not at all importing Hexamine ether from Saudi arabia or Russis but are procuring the subject goods from M/s Kanoria Chemicals & Industries Ltd., Mumbai @ Rs. ***/- per ton + 16%ED + 4%ST.

4. Exporters Views

The exporters from Saudi Arabia and Russia did not respond to the questionnaire forwarded by the Authority.

ChemConnect, 44 Montgomery St., Ste.250, San Francisco, CA 94104, have informed the Authority that they are neither an importer or an exporter to any country; they have neither imported nor exported any chemical to India; they have never owned any chemicals including Hexamine.

D. EXAMINATION OF THE ISSUES RAISED

5. The submissions made by the petitioner and importers to the extent they are relevant under the Rules and have a bearing upon the case, have been examined and dealt with at appropriate places hereunder.

E. PRODUCT UNDER INVESTIGATION

6. Hexa Methylene Tetramine is known as Hexamine in market parlance. Hexa Methylene Tetramine is a white crystalline powder with a sweet metallic taste. In the pure form, it is colourless and odourless. It crystallizes in rhombic dodecahedrons. Hexa Methylene Tetramine compound is also known as Ammoform, Methenamine, Cystamine, Cystogen, Urotropine. It is classified under custom sub-heading 2921.2901 of the Customs Tariff Act, 1975.

The most important industrial use of Hexamine is for the manufacture of solid phenolic resins. The other important use is for the manufacture of a high explosive cyclonite. Hexamine being anti-bacterial in action is used as a urinary antiseptic. It is also used for-

- Adhesives
- Coatings
- Sealing compounds
- In the preservation of hides
- As a rubber vulcanization accelerator
- As a corrosion inhibitor for steel
- Dye fixature
- Fuel tablet for camping stoves
- Stabiliser for lubricating and insulating oils

F. LIKE ARTICLES

In order to establish that Hexamine produced by the domestic industry is a Like Article to that exported from Saudi Arabia and Russia, characteristics such as technical specifications, manufacturing process, functions and uses and tariff classification have been considered by the Authority.

The Authority also finds that there is no argument disputing that Hexamine produced by the domestic industry has characteristics closely resembling the imported material and is substitutable by Hexamine imported from the subject countries both commercially and technically. Hexamine produced by the domestic industry has been treated as Like

Article to the product exported from Saudi Arabia and Russia within the meaning of Rule 2(d).

G.DOMESTIC INDUSTRY

The petition has been filed by alleging dumping of Hexamine originating in or exported from Saudi Arabia and Russia.

The production of Hexamine by the petitioners has been as under:-

	1997-98	1998-99	1999-2000	2000-2001 6 months	POI
Petitioners					
Simalin	1747	2167	2692	1317	4010
Rockhard	362	864	1053	137	1190
Other producers					
Kanoria	NA	3141	3821	1858	5679
Hitech	NA	NA	600	286	886
Total Indian production	2109	6172	8166	3598	11765

The petitioners account for 44.19% of the total production in the POI. The Authority notes therefore that the petitioner constitutes "domestic industry" and has the required standing to file the present petition under the Rules.

H. DUMPING

7. The Authority sent questionnaires to the known exporters from the subject countries in terms of section 9 A (1). However, the exporters did not respond with the information called for. Therefore there are no claims made by the exporters with regard to Normal Value and Export Price. The Authority has therefore been constrained to rely upon constructed price and best available information with regard to Normal Value and Export Price respectively.

I. EXAMINATION OF NORMAL VALUE AND EXPORT PRICE BASED ON CONSTRUCTED VALUE AND ON AVAILABLE INFORMATION WITH THE AUTHORITY

(i) NORMAL VALUE

8. The Authority observes that the exporters from Saudi Arabia and Russia have not responded to the questionnaire in the prescribed format and have not furnished information relating to normal value, export price, and dumping margin. The Authority therefore considers the exporters to be non-cooperative and has proceeded on best available information.

The petitioners have requested that the normal value in Saudi Arabia and Russia be accepted on the basis of constructed cost of production of Hexamine. In the circumstances the Authority has been constrained to determine the constructed cost.

The normal value in Saudi Arabia and Russia is therefore considered to be USD ***/kg or Rs ***/kg at an average exchange rate during POI of 1USD=Rs 43.70.

(ii) **Export Price**

9. The cif price as per the information available with the Authority is determined at Rs ***/kg for Saudi Arabia and Rs ***/kg for Russia. The ex-factory export price has been determined after taking USD 0.05/kg as ocean freight (based on petitioner's information), 0.5% as marine insurance charges, commission @3% for the agent in the exporting countries, 2% for inland transportation and 2% for port handling and port charges as per the Indian experience. However, commission @3% for the Indian indenting agent as claimed by the petitioner is not allowed by the Authority for want of documentary evidence. After adjustments on these accounts the ex-factory fob export price is estimated to be Rs ***/kg or USD ***/kg for Saudi Arabia, and Rs ***/kg or USD ***/kg for Russia at an average exchange rate of Rs 43.70=1USD.

(iii) **Dumping margin**

10. Saudi Arabia

Considering the constructed normal value at USD ***/kg and the ex-works export price at USD ***/kg, the dumping margin determined by the Authority comes to USD ***/kg (which is 42.2% of export price).

Russia

Considering the constructed normal value at USD ***/kg and the ex-works export price at USD ***/kg, the dumping margin determined by the Authority comes to USD ***/kg (which is 77.7% of export price).

J. INJURY

The Authority notes that the margin of dumping and quantum of imports from the subject countries are more than the limits prescribed in Rule 11 Supra.

For the examination of the impact of imports on the domestic industry in India, the Authority has considered such further indices having a bearing on the state of the industry as production, capacity utilisation, quantum of sales, stock, profitability, net sales realisation, the magnitude and margin of dumping etc. in accordance with Annexure II (iv) of the rules supra.

(a) Quantum of Imports

Countries	Quantity (kg.)				
	1997-98 (as per DGCIS)	1998-99 (as per DGCIS)	1999-2000 (as per DGCIS)	Apr-Sep'00 (as per DGCIS)	Apr'99- Sep'2000 (18 months)
Total imports	53,120	211,830	812,106	418,740 (annl. 837,488)	12,30,846
Saudi Arabia	---	---	88,000	78,000 (annl. 156,000)	166,000
Russia	---	---	---	20,000	20,000

The increase in the total imports of Hexamine was 298% in 1998-99 over that of 1997-98. Imports increased by 283% in 1999-2000 over 1998-99 and by 3.1% in Apr-Sep'00 (annualised) over 1999-2000.

The quantum of imports from Saudi Arabia went up by 77.27% in Apr-Sep 2000 (annualised) over 1999-2000. The share of Saudi Arabia in total imports was 10.8%, 18.6% and 13.4% in 99-2000, Apr-Sep 2000 and the POI respectively.

There were no imports of the subject goods from Russia during 1997-98, 1998-99 and 1999-2000. During Apr-Sep 2000 (6 months) imports from Russia were 4.7% of the total imports. The petitioners have stated that Hexamine is being exported to India only from two countries- Saudi Arabia and Russia. Even though the customs classification is dedicated for Hexamine, the import information compiled by the DGCIS shows large-scale imports from other countries. These imports are at prices which are many times higher than the prices at which Hexamine is imported. The Authority notes that the imports of the subject goods from all other sources (other than Saudi Arabia and Russia) as per DGCIS data were at very high cif prices ranging from Rs 54.3/kg to Rs 250.9/kg during 1999-2000. The cif prices from these sources ranged from Rs 55/kg to Rs 620/kg for the period April-Sep 2000. The landed values would be far higher. The sales realisation of the domestic industry was at an average of only Rs ***/kg during the POI. When the product is available at this price no consumer would pay more than double, leave aside imports at higher prices. Thus imports from other countries shown in DGCIS data cannot be Hexamine but other products which have either been misclassified as Hexamine or which do not have their own dedicated product codes. In view of the data available, the Authority has considered import volumes from the subject countries only.

(b) Production and Capacity Utilisation

The production capacity, actual production and capacity utilisation of the petitioners was as follows: -

Petitioners	1997-98	1998-99	1999-2000	2000-01 (6months)	POI
Installed Capacity (MT)	3900	3900	4300	2150	6450
Production (MT)	2109	3031	3745	1454	5199.95
Capacity Utilisation%	58.58	84.19	104	67.62	80.6

(c) Sales and Market Share

	1997-98	1998-99	1999-2000	2000-01 (6 months)	POI
Sales (MT) of petitioners	2086	3031	3707	1489	5196
Production (other producers)	3000	3141	4421	2144	6565
Demand	5086	6172	8217	3731	11947
Share of dumped imports %	Nil	Nil	1.07	2.6	1.5
Share of petitioner %	41	49	45	39.9	43.4

(d) Price undercutting and price depression

Rs/kg

Year	Sales Realisation	Landed Price of Imports		
		Saudi Arabia	Russia	Others
1997-98	***	---	---	165.11
1998-99	***	---	---	92.4
1999-2000	***	34.78	---	115.38
POI	***	25.42	19.45	122.05

It is evident from the above table that the exporters from Saudi Arabia and Russia have reduced their prices significantly in the POI. The domestic industry has been forced to reduce its selling prices to respond to the low import prices in the market. The petitioners have stated that Hexamine is being exported to India only from two countries- Saudi Arabia and Russia. Even though the customs classification is dedicated for Hexamine, the import information compiled by the DGCIS shows large-scale imports from other countries. These imports are at prices which are many times higher than the prices at which Hexamine is imported. It is noted that between April-July 2000, Russia had exported 17,000 kg at a cif price of Rs 3,30,730. In August 2000, 3000 kg were exported from Russia at cif Rs 3,31,835 which is excluded from the determination of total volumes from Russia being an abnormal transaction (cif Rs 110/kg).

(e) Profitability:-

The domestic industry has been forced to reduce its selling prices below its cost of production, resulting in substantial financial losses. The profitability of the domestic industry has declined significantly as evident from the per unit profit/loss made by the industry from sales in the domestic markets.

Petitioners	1997-98	1998-99	1999-2000	(POI)
Simalin				
COP	***	***	***	***
Selling Price	***	***	***	***
P/L	1.02	(4.5)	(4.28)	(6.19)
Rockhard				
COP	***	***	***	***
Selling Price	***	***	***	***
P/L	(0.36)	(5.93)	(5.12)	(6.66)

K. CONCLUSION ON INJURY

11. In view of the foregoing it is observed that:-

- (a) the quantum of imports from the subject countries have increased in absolute terms;
- (b) the market share of the petitioner has gone down while that of imports has increased;
- (c) the petitioners have been forced to sell at prices below their non-injurious price resulting in losses;
- (d) imports have undercut the prices of the domestic industry.

L. CAUSAL LINK

12. The Authority holds that the material injury to the domestic industry has been caused by imports from the subject countries that are major exporters of Hexamine to India. The Authority notes that import prices from the subject countries have undercut the prices of the domestic product forcing the domestic industry to sell below its non-injurious price which resultantly, the domestic industry was unable to recover. The material injury to the domestic industry was therefore caused by the dumped imports from the subject countries.

M. INDIAN INDUSTRY'S INTEREST & OTHER ISSUES

13. The purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate dumping which is causing injury to the domestic industry and to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country.

14. It is recognised that the imposition of anti-dumping duties might affect the price levels of the products manufactured using the subject goods and consequently might have some influence on relative competitiveness of these products. However, fair competition in the Indian market will not be reduced by the anti-dumping measures, particularly if the levy of the anti-dumping duty is restricted to an amount necessary to redress the injury to the domestic industry. On the contrary, imposition of anti-dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, would prevent the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of Hexamine. Imposition of anti-dumping measures would not restrict imports from the subject countries in any way, and therefore would not affect the availability of the product to the consumers.

15. To ascertain the extent of anti-dumping duty necessary to remove the injury to the domestic industry, the Authority relied upon reasonable selling price of Hexamine in India for the domestic industry, by considering the optimum cost of production at optimum level of capacity utilisation for the domestic industry.

N. LANDED VALUE

16. The landed value of imports is determined on the basis of export price of Hexamine determined as detailed above in the para relating to dumping, after adding the prevailing level of customs duties and one per cent landing charges.

O. CONCLUSIONS

17. It is seen after considering the foregoing that:

(a) Hexamine described under para 6 originating in or exported from Saudi Arabia and Russia has been exported to India below normal value, resulting in dumping;

(b) the domestic industry has suffered injury;

(c) injury has been caused by imports from the subject countries.

18. It was decided to recommend the amount of anti-dumping duty equal to the margin of dumping or less which if levied, would remove the injury to the domestic industry. Accordingly, it is proposed that provisional anti-dumping duties be imposed, from the date of notification to be issued in this regard by the Central Government, on Hexamine originating in or exported from Saudi Arabia and Russia, falling under customs sub-heading no. 2921.2901 of the Customs Tariff Act, pending final determination. The anti-dumping duty shall be the amount mentioned in Col.3.

Country 1.	Name of the producer/exporter 2.	Amount 3. (USD/kg)
SAUDI ARABIA	All producers/exporters	0.19
RUSSIA	All producers/exporters	0.28

19. Landed value of imports for the purpose shall be the assessable value as determined by Customs under the Customs Act, 1962 and all duties of customs except duties levied under Sections 3, 3A, 8B, 9 and 9A of the Customs Tariff Act, 1975.

P. FURTHER PROCEDURE

20. The following procedure would be followed subsequent to notifying the preliminary findings:

- The Authority invites comments on these findings from all interested parties and the same would be considered in the final findings;
- Exporters, importers, petitioner and other interested parties known to be concerned are being addressed separately by the Authority, who may

make known their views, within forty days of the despatch of this notification. Any other interested party may also make known its views within forty days from the date of publication of these findings.

c. The Authority would provide opportunity to all interested parties for oral submissions.

d. The Authority would disclose essential facts before announcing the final findings.

L. V. SAPTHARISHI, Designated Authority

